पाठ्यक्रमः गांधी का सामाजिक चिंतन (एम जी पी–003)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–003/ए एस एस टी/टी एम ए/2025–26
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए गांधी द्वारा प्रतिपादित एवं व्यवहार में अपनाई गई तकनीकों का वर्णन कीजिए।

2. हिंदू–मुस्लिम एकता प्राप्त करने में गांधी की विफलता के क्या कारण थे? क्या इन समुदायों के बीच समकालीन समस्याओं के समाधान में गांधीवादी दृष्टिकोण प्रासंगिक है?

3. सत्य की प्राप्ति के साधन के रूप में अहिंसा और सत्याग्रह के महत्व को रेखांकित कीजिए।

4. भारत के राष्ट्रीय पुनर्जागरण (regeneration) में युवाओं के लिए गांधी ने किस प्रकार की भूमिका की परिकल्पना की थी?

5. श्रम (labour) और पूँजी (capital) के बीच संघर्ष पर गांधी के विचारों का परीक्षण कीजिए तथा इसके समाधान के लिए उनके द्वारा सुझाए गए उपायों की चर्चा कीजिए।

भाग – II

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) भारतीय सामाजिक व्यवस्था पर गांधीवादी समालोचना।
   ख) उत्तर-आधुनिक गांधी।

7. क) वर्णाश्रम धर्म पर गांधी के विचार।
   ख) साम्प्रदायिक तनाव और दंगों को कम करने हेतु गांधी द्वारा अपनाए गए उपाय।

8. क) हिंदू धर्म के पुनर्निर्माण (reconstruction) में गांधी।
   ख) महिलाओं और भारत के भविष्य पर गांधी के विचार।

9. क) प्रकृति उपचार विधियों में गांधी की आस्था तथा नशीले पदार्थों के निषेध का समर्थन।
   ख) गांधी की नई तालीम / नई शिक्षा।

10. क) मातृभाषा के संवर्धन (promotion) हेतु गांधी द्वारा अपनाए गए उपाय।
    ख) ग्राम जीवन बनाम नगरीय जीवन पर गांधी के विचार।